

दिल्ली में सियासी भूचाल

सकती है, तो जमीनी स्तर पर दिन-रात काम करने वाली रसीड़ा बहन! और स्व-सहायता समूहों का भुगतान क्यों अटका हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों को तलब किया। अधिकारियों द्वारा समस्या का जल्द समाधान करने का आश्वासन दिए जाने के बाद प्रदर्शनकारी महिलाएँ वहां से शांत होकर लौटीं। हालांकि, महासचय ने दो दूक दहक दिया है कि यदि भुगतान समय पर नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

नूतुनाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से राजस्थान के प्रमुख पर्यटन शहर जोधपुर के लिए एक बड़ा फिर सीधी विमान सेवा शुरू होने जा रही है। विंटर सीजन के तहत आगामी 25 अक्टूबर से इंडिगो एयरलाइंस इनसे उड़ान का संचालन पुनः प्रारंभ करेगी, जिससे यात्री महज डेढ़ घंटे (90 मिनट) में इंदौर से जोधपुर पहुंच सकेंगे। यह सीधी उड़ान सुविधा सप्ताह में चार दिन—रविवार, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को उपलब्ध रहेगी।

एयरलाइंस कंपनी ने इस उड़ान की आधिकारिक घोषणा करते हुए टिकटों की बुकिंग शुरू कर दी है। गौरतलब है कि इंदौर-जोधपुर रात पर करीब एक वर्ष पूर्व अस्पत में उड़ान बंद कर दी गई थी। इसके बाद से ही मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों द्वारा इस सेवा को दोबारा शुरू करने की लगातार मांग की जा रही थी। पूर्व में सीधी उड़ान न होने के कारण यात्रियों को ट्रेन से लंबा सफर तय करना पड़ता था या फिर दिल्ली-मुंबई होकर वाया-फ्लाइट जाना पड़ता था, जिससे समय और पैसे दोनों की अधिक खपत होती थी।

समय-सारणी (शेड्यूल)
जोधपुर से इंदौर (6ए 7676): सुबह 09:00 बजे जोधपुर से रवाना होकर सुबह 10:25 बजे इंदौर पहुंचेगी।

इंदौर से जोधपुर (6ए 7675): सुबह 11:10 बजे इंदौर से रवाना होकर दोपहर 12:40 बजे जोधपुर पहुंचेगी। टैवल एजेंट्सस्टीमिंग एंड एयरलाइंस एंजिनीयरिंग प्रोड्यूसर्स एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड प्रदेश अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन के अनुसार, शीतकालीन सीजन (विंटर सीजन) में इंदौर और आसपास के क्षेत्रों से जोधपुर जैसलमेर जाने वाले पर्यटकों की संख्या काफी अधिक रहती है। ऐसे में इस सीधी उड़ान के शुरू होने से न केवल आम यात्रियों और व्यवसायियों को बड़ी राहत मिलेगी, बल्कि दोनों राज्यों के बीच पर्यटन को भी नया बढ़ावा मिलेगा।

डूँदर। आसमान में उड़ने वाले ड्रोन की निगरानी और टैकिंग के लिए अब मंहगे और जटिल रडार प्रणालियों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं होगी। देश के तकनीकी परिदृश्य में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए महुँ स्थित प्रशिक्षित मिलिटरी कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के वैज्ञानिकों और तकनीकी दक्ष सैनिकों ने एक ऐसी क्रांतिकारी तकनीक विकसित की है, जिससे सेल्यूलर कंपनियों के 5जी और 6जी नेटवर्क के जरिए आसानी से ड्रोन को टैक किया जा सकेगा। एमसीटीई द्वारा किया गए इस अनूठे नवाचार को केन्द्रीय दूरसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'आईडया मोबाइल कांफ्रेंस' के तहत 'राष्ट्रीय 5जी इनोवेशन हैथारन' में देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

दिल्ली में आयोजित इस भव्य पुरस्कार समारोह में केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एमसीटीई की रिसर्च टीम को सम्मानित करते हुए 2.5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि और प्रमाण पत्र प्रदान किया।



इंदौर। शहर के सुमन नगर इलाके में शनिवार शाम उस समय हड़कल मच गया, जब पानी की लाइन्स बिछाने के लिए की जा रही खुदाई के दौरान अवंतिका गैस कंपनी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। मजदूरों की गैती पाइपलाइन प्रणाली ही तेज प्रेशर और तेज आवाज के साथ गैस का रिसाव शुरू हो गया। अचानक हुए इस रिसाव से आसपास के रहवासियों में दहशत फैल गई।



इंदौर। शहर के गांधी हॉल से शनिवार को मानवता की एक बेहद अनूठी और प्रेरणादायक यात्रा नागनी देखने को मिली, जहाँ ह्यश्व ही शिव हैं मोक्ष यात्रा निकाली गई। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य उन अज्ञात, लावारिस और बेसहारा दिवंगतों के औषध को अंतिम विदाई देना था जिनका इस दुनिया में कोई अपन नहीं बचा है। गांधी हॉल में अस्थिर पूजन और सामूहिक श्रद्धांजलि के बाद इन सभी अस्थियों को

पवित्र नर्मदा तट ओंकारेश्वर
के लिए रवाना किया गया, जहाँ
विधि-विधान से पिंडदान, तर्पण
और अस्थि विसर्जन की धार्मिक
परंपराएं पूरी की जाएंगी।

इस मोक्ष यात्रा की सबसे बड़ी और खास बात यह रही कि यह किसी एक धर्म या वर्ग तक सीमित नहीं थी। इसमें हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई—सभी समुदायों के लोग पूरी श्रद्धा के साथ एक मंच पर एकत्र हुए। सभी ने मिलकर उन आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की, जिन्हें जीवन में अपनों का साथ

नहीं मिला। यह यात्रा इस बात का जीता-जागता प्रमाण बनी कि इंसानियत और संवेदनाएं हर धर्म से ऊपर होती हैं।

जनकल्याण समिति और सुलताने
इंदौर एकता सेवा समिति पिछले
30 वर्षों से इस महान कार्य को
निष्ठा भाव से निभा रही हैं। जब
भी शहर में लावारिस या बेसहारा
हालत में शव मिलते हैं और कोई
परिवार आगे नहीं आता, तो ये
संस्थाएं आगे आकर उनका पूरे
सम्मान के साथ अंतिम संस्कार
करती हैं। अब तक हजारों लावारिस
अस्थियों का इस प्रकार विसर्जन
किया जा चुका है।

इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म।
हमहाकाल मानव समाज सेवा
समिति के जय्य जोशी ने बताया

कि संस्था का उद्देश्य केवल आत्म संस्कार करना नहीं, बल्कि हर आनाश्व को समानान्वनक विदाई देना है। वही, सुलताने एकता सेवा समिति के करीम पडान ने कहा कि जिन लोगों का इस दुनिया में कोई नहीं बचा, उनकी अस्थियों को विवसर्जित करना इंसानियत के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी है। राहत की बात यह है कि इस पुण्य कार्य से अब परिवार को चुका भी है। (बेटा-बेटा) भी जुड़ चुका है, जो यह सुनिश्चित करता है कि यह अन्दी परपरा भविष्य में भी पूरी निष्ठा के साथ जारी रहेगी।

इंदौर। देश के प्रतिष्ठित सरकारी संस्थानों में शुमार इंदौर के महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट पर कथित तौर पर पोर्न वीडियो और आपत्तिजनक कंटेंट देखाई देने का एक गंभीर मामला सामने आया है।

इस घटना के सामने आने के बाद कॉलेज प्रशासन में हड़कंप मच गया और शैक्षणिक संस्थानों की साइबर सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि, इस मामले में कॉलेज के डीन ने इन सभी आरोपों को सिर से खारिज करते हुए इसे संस्था की छवि खराब करने की सोची-समझी साजिश करार दिया है।

क्या है पूरा मामला?

मीडिया रिपोर्ट्स और सामने आए जाचपराच जाचपराच के अनुसार, एमपीएमए मीडिकल कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट पर अचानक कुछ आपत्तिजनक कमेंट्स और वीडियो नजर आने लगे। एक मीडिकल कॉलेज जैसी महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्था की वेबसाइट पर इस तरह का तत्कनीकी व्यवसाय और अर्थात् सामग्री का दिखना साइबर सुरक्षा में बड़ी संभावना माना जा रहा था।

यूथु किता में यह आशंका जताई जा रही थी कि ता वेबसाइट की हैक नहीं हुई है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कुछ असांजिक तत्त्वों या विरोधियों द्वारा कॉलेज की प्रेक्षा और गरिया की धूमिल करने के लिए इस प्रकार के मनगढ़त प्रयास किए जा रहे हैं।

इस घटना के बाद भले ही तकनीकी जांच में वेबसाइट पूर्ण तरह सुरक्षित पाई गई हो, लेकिन सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों की डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा को लेकर कदम बार फिर कड़े सुरक्षा मानक अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया जा रहा है।

टी-शर्ट और कैप की दुकानें सज चुकी हैं और क्रिकेट प्रेमी बड़ी संख्या में खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं।

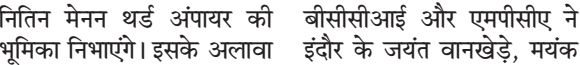
सुरक्षा के कड़े इंतजाम और पिच की खास तैयारी

खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए एयरपोर्ट से होटल और स्टेडियम तक विशेष रूट तय किया गया है, जिसकी निगरानी सीसीटीवी और आधुनिक फेस रिकॉग्निशन तकनीक से की जा रही है। मैदान के बाहर अमर खुरासिया एकेडमी में बल्लेबाजों

के नेट प्रैक्टिस के लिए मैच जैसी परिस्थितियों वाली दो विशेष पिचें तैयार की गई हैं। वहीं, ओस की चुनौती से निपटने के लिए मैदान में खास किस्म की घास लगाई गई है ताकि दूसरी पारी में गेंदबाजी प्रभावित न हो।

तकनीक और प्रबंधन में इंदौर की धमक

भले ही भारतीय टीम में इंदौर का कोई खिलाड़ी शामिल नहीं है, लेकिन तकनीकी संचालन में शहर का दबदबा रहेगा। इंदौर के अंतरराष्ट्रीय अपायर



थनवार को स्कोरर और अमित पारखे को मीडिया बॉक्स की जिम्मेदारी सौंपी है, जबकि ग्वालियर के सुनील गुप्ता (डकवर्थ-लुईस-स्टर्न) पद्धति का जिम्मा संभालेंगे।

करीब 30 हजार दर्शकों की क्षमता वाला होलकर स्टेडियम कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स का गवाह रहा है। वीरेंद्र सहवाग के 219 रनों के ऐतिहासिक दोहरे शतक की याद समेटे यह मैदान एक बार फिर हाई-वोल्टेज और रोमांचक टी-20 मुकाबले के लिए पूरी तरह से मुस्तैद है।

मरीजों को सस्ती दवाएं मिलना सुनिश्चित हो

सही मायने में इसे एक अमानवीय कृत्य ही कहा जाएगा कि कैसर जैसे घातक रोग से जूझ रहे मरीजों से दवाओं के मनमाने दाम वसूलें जाएं। इस जानलेवा रोग से जूझ रहे मरीजों को यूं तो उपचार की अन्य मर्दों में भी काफी खर्च करना पड़ता है, लेकिन दवाओं की अधिक कीमतों पर नियंत्रण लगाया जाना किसी हद तक राहतकारी साबित हो सकता है। अब केंद्र सरकार ने नॉन-शेड्यूल्ड एंटी-कैंसर दवाइयों पर ट्रेड मार्जिन को तीस फीसदी तक सीमित करने का फैसला किया है। निस्संदेह, यह कदम इस हेल्थकेयर क्षेत्र में एक स्वागत योग्य पहल है, जहां मरीजों को अधिक पैसा चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, कैसर का त्रास झेल रहे व्यक्ति व उसके परिवार पर इस रोग का उपचार आर्थिक रूप से भारी बोझ डालता है। ऐसे में कैसर रोग में काम आने वाले दवाइयों की कीमत में कमी लाने का प्रयास समय की जरूरत भी है। सरकार का अनुमान है कि दवाइयों की कीमतों में नये सिरे से नियमन के जरिये मरीजों को हर साल 2,500 करोड़ रुपये तक की बचत होगी। इस बाबत दावा किया जा रहा है कि कुछ दवाइयों की कीमतों में सत्र फीसदी तक की कमी आ सकती है। हालांकि, मरीजों को लाभ के आंकड़े अनुमानित हैं और इनकी हकीकत प्रावधानों के लागू होने पर ही स्पष्ट हो पायेगी। वास्तव में सबसे पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि दर्शांगी जा रही राहत वास्तव में मरीजों तक भी पहुंचे। समय रहते अधिकारियों को तुरंत उन दवाओं की जानकारी मरीजों व तिमारदारों को देनी चाहिए, जिन पर यह कटौती लागू की गई है। साथ ही दर्ज की गई कीमतों में बदलाव को भी स्पष्ट करना चाहिए। इसके अलावा नियमों का पालन सुनिश्चित करने पर नजर रखी जानी चाहिए। दूसरी ओर ज्यादा कीमत वसूलने वालों पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। सरकार को यह भरोसा भी कायम करना होगा कि नई कीमत नियमन के लागू होने के बाद दवा कंपनियां सरलाई यथावत बनाये रखेंगी।

सही मायने में कीमतों में आई असली कमी –मरीजों की बचत और दवाइयों की उपलब्धता की समय-समय पर जानकारी देने से ही सुनिश्चित हो सकेगी। तभी पता चलेगा कि यह कदम वास्तव में कितना कारगर है। दरअसल, सरकार द्वारा कैसर को राहत देने का यह प्रयास नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के 2019 के उस फैसले को ही आगे बढ़ाता है, जिसमें 42 नॉन-शेड्यूल्ड कैसर-रोधी दवाओं को शामिल किया गया था। दावा किया जाता रहा है कि उस पहल के उपरांत दवाइयों के 526 ब्रांड्स में वार्षिक रूप से 984 करोड़ रुपये की बचत मरीजों को हुई थी। अतः पिछला अनुभव बताता है कि ट्रेड मार्जिन को रेगुलेट करने से पूरी मार्केट में एक जैसी कीमतें लागू किए बिना भी मरीजों को वास्तविक लाभ जमीनी स्तर पर मिल सकता है। वास्तव में कैसर के मरीजों को राहत देने के उपायों के क्रम में और अधिक दवाइयों को इस राहत के दायरे में लाना होगा। जिसमें विदेशों से आयातित और पेटेंटेड दवाइयां भी शामिल हैं। तभी कैसर रोगियों को वास्तव में अधिक राहत मिल सकेगी क्योंकि अभी भी उन्हें बहुत ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। वैसे हकीकत में देखा जाए तो दवाइयों के मूल्य की सीमा तय करने के बाद भी कैसर के महेगे इलाज का कारण व्यापक समाधान संभव नहीं है। दरअसल, मरीजों के सामने जांच, सर्जरी, रेडिएशन, अस्पतालों में भर्ती होने और इलाज के बाद की देखभाल के लिये भारी-भरकम बिल चुकाने की मजबूरी होती है। राहत के लिये अस्पतालों के जरिये बेची जाने वाली चिकित्सा सामग्री और दवाइयों की ज्यादा कीमतों की भी जांच होनी चाहिए। पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने भी इस बात को लेकर चिंता जतायी थी कि अस्पतालों में दवाइयों और चिकित्सा में सहायक उपकरणों के दाम मनमाने तरीके से वसूलें जाते हैं। निश्चित रूप से देश में सुग्रीम कोर्ट की चिंता के अनुरूप चिकित्सा तंत्र में पारदर्शिता लाने और जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है।

विचार-आलेख

जिला स्तर पर हो युद्धकाल जैसी तैयारी

जन्गरल सैयद अता हसनैन

सेना में एक बात अक्सर सुनने को मिलती है : ‘कोई लड़ाई नहीं लगी है।’ यानी जब कोई युद्ध नहीं चल रहा है, तब इतनी जल्दी किस बात की ? लेकिन खुफिया विभाग, क्रियान्वयन, योजना, कमान और रणनीतिक मामलों में अपनी जिंदगी बिताने के बाद, मेरा मानना इसके उलट रहा है। मेरी दृष्टि में, हमें हमेशा ही युद्धकाल जैसी तैयारियां रखनी चाहिए—भले ही युद्ध वास्तव में न हो, लेकिन संस्थागत तौर पर हो। कभी भी कोई संकट खड़ा हो सकता है। संकट आने के बाद तैयारी शुरू नहीं की जा सकती। जमीनी स्तर पर सैनिक अक्सर इसका पूर्वाभ्यास करते हैं।

प्रत्येक कमान-नियुक्ति के दौरान, मुश्किल हालात में मैंने अपने मातहतों के लिए एक नियम बनाया था : जब भी कोई जानकारी मिले, सबसे पहले मुझ तक पहुंचाई जाए। पूरी तस्वीर साफ होने का इंतजार न करें। इसलिए, स्टाफ और मातहत कमांडर अपना वह काम करते रहे, जिसका प्रशिक्षण उन्हें दिया गया था। मैं निगरानी रखता, सलाह देता, विकल्पों पर चर्चा करता या जरूरत पड़ने पर दखल देता। कमांडर को शुरुआती कुछ मिनट बर्बाद नहीं करने चाहिए। मुझे रात के किसी भी पहर जागाया जा सकता था। मैंने अपने संदेशवाहकों को निर्देश दे रखा था कि जानकारी देने से पहले मुझे आधा मिनट दिया जाए। मेरे बिस्तर के पास हमेशा गर्म पानी रहता था। उन चंद सेकंडों में मैं अपनी चेतना को एकाग्र कर पाऊं और गला साफ़ कर सकूं। संकट के समय कमांडर की आवाज में संयम और अधिकार का भाव होना चाहिए। 26/11 का मुंबई आतंकी हमला इस बात की स्थायी याद दिलाता है कि सूचना, भले ही टुकड़ों में और समय के साथ-साथ मिले, अपने आप बचाव को कारंवाई शुरू नहीं करा देती। सूचना प्राप्त करना और उसे कारंवाई

धर्म-ज्योतिष

शारदेय नवरात्रि में हाथी पर होगा मां दुर्गा का आगमन

इस बार यानी की 11 अक्टूबर 2026 से शारदीय नवरात्रि का पर्व शुरू हो रहा है। मार्कंडेय पुराण के अनुसार, हर साल मां दुर्गा की सवारी अलग-अलग होती है। मां दुर्गा की सवारी से यह पता चलता है कि आने वाला समय यानी की साल कैसा रहने वाला है। बता दें कि इस बार शारदीय नवरात्रि के मौके पर मां दुर्गा का आगमन हाथी पर हो रहा है। हाथी पर मां दुर्गा का आगमन सुख-संपन्नता और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। मार्कंडेय पुराण के मुताबिक मां दुर्गा के वाहन पर एक श्लोक का उल्लेख मिलता है। श्लोक के अनुसार, माता रानी की सवारी नवरात्रि के पहले दिन से जोड़ा जाता है। इस बार शारदीय नवरात्रि 11 अक्टूबर 2026, दिन रविवार से शुरू हो रहा है। इसलिए मां दुर्गा की सवारी हाथी बताई जा रही है। बता दें कि नवरात्रि का पहला दिन रविवार और सोमवार को है, तो मां दुर्गा का आगमन हाथी पर होता है। अगर नवरात्रि का पहला दिन शनिवार और मंगलवार को होता है, तो मां दुर्गा का आगमन घोड़े पर होता है।



व्यापार

वेनेजुएला: एलन मस्क के स्टारलिनक को मिली हरी झंडी, लैटिन अमेरिका में बढ़ेगी इंटरनेट की पहुंच

एजेंसी। नई दिल्ली

वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने एलोन मस्क की स्पेसएक्स संचालित उपग्रह इंटरनेट सेवा स्टारलिनक को देश में काम करने की अनुमति दे दी है। रॉयटर्स ने वेनेजुएला सरकार के एक बयान का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। यह निर्णय वेनेजुएला सरकार और अमेरिकी कंपनी के बीच हुए एक समझौते का हिस्सा है। सरकार ने शुक्रवार को इस घटनाक्रम की घोषणा की।

यह कदम लैटिन अमेरिका में स्टारलिनक के परिचालन के लिए एक नया घटनाक्रम है। उपग्रह इंटरनेट सेवा अपनी वैश्विक उपस्थिति और ग्राहक आधार का विस्तार कर रही है। स्टारलिनक निम्न पृथ्वी कक्षा में उपग्रहों के एक नेटवर्क के माध्यम से इंटरनेट संपर्क प्रदान करती है।



इसकी सेवा पेशकश व्यक्तिगत उपभोक्ताओं से आगे बढ़कर कारोबार, विमानन, समुद्री संचालकों और सरकारी ग्राहकों तक फैल गई है। रॉयटर्स ने बताया कि स्टारलिनक का उपग्रह इंटरनेट कारोबार विश्व स्तर पर लगातार वृद्धि कर रहा है। यह अतिरिक्त उपग्रहों और प्रक्षेपण और विभिन्न ग्राहक वर्गों के लिए सेवाओं की बढ़ती श्रृंखला से समर्थित है। कंपनी की पेशकशों में उपभोक्ताओं और उद्यमों के लिए

जियो प्लेटफॉर्म आईपीओ, 21 को खुल सकता है सब्सक्रिप्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की टेलीकॉम और डिजिटल सर्विसेज यूनिट, जियो प्लेटफॉर्मस लि ने अपने आगामी सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए शेयरों की कीमत 1,065 रुपये से 1,119 रुपये प्रति शेयर तय की है। हालांकि, कंपनी ने अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। जियो का यह आईपीओ सितंबर में एनएसई के हाई-प्रोफाइल लिस्टिंग के बाद आ रहा है। अंतिम निर्गम आकर अप्रैलची में दी गई शर्तों पर निर्भर करेगा। जियो प्लेटफॉर्मस इस आईपीओ के तहत 27 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर जारी करने की योजना बना रही है। इस इश्यू के जरिये कंपनी

निचले स्तर पर लगभग 28,755 करोड़ रुपये और ऊपरी स्तर पर करीब 30,213 करोड़ रुपये जुटा सकती है। यदि प्रस्तावित मूल्यांकन हासिल हो जाता है तो पोस्ट-मनी आधार पर जियो प्लेटफॉर्मस का मूल्यांकन कम से कम 10.3 लाख करोड़ रुपये हो सकता है। इस आधार पर यह भारत के इतिहास का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम साबित हो सकता है। एक सफल लिस्टिंग जियो प्लेटफॉर्मस को बाजार मूल्य के लिहाज से देश की शीर्ष चार सूचीबद्ध कंपनियों में शामिल कर देगी, जो अपनी मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज, प्रविष्टिद्वी भारती एयरटेल और देश के सबसे बड़े प्राइवेट कर्मांदता एचडीएफसी बैंक के ठीक पीछे होगी।

सऊदी अरब में बिगड़ते हालात के मद्देनजर एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया ने रियाद आने-जाने वाली अपनी उड़ानों को रद करने की अवधि बढ़ा दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह निर्णय क्षेत्र में बढ़ते तनाव और हवाई अड्डों पर हुए हमलों के बाद लिया गया है। यह कदम यात्रियों को सुखी सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी सेवाएं 14 अक्टूबर तक रद कर दी हैं। वहीं, एयर इंडिया ने 15 अक्टूबर तक की उड़ानें निरस्त की हैं। दोनों विमानन कंपनियों ने पहले बृहस्पतिवार को 10 अक्टूबर



तक रियाद की उड़ानें रद करने की घोषणा की थी। विमानन कंपनियां स्थिति पर करीब से नजर रख रही हैं। वे क्षेत्र के घटनाक्रम का लगातार आकलन कर रही हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया प्रभावित यात्रियों को पूरा पैसा वापस दे रही हैं। यह उन लोगों के लिए एक बड़ी

बदली परिस्थितियों में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर होगा अंतिम फैसला

एजेंसी। नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीपूष गोयल ने शनिवार को बताया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को बदली हुई परिस्थितियों के मद्देनजर अंतिम रूप दिया जाएगा। फरवरी में दोनों देशों ने एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे की घोषणा की थी। गोयल ने

कहा कि अब इसे मौजूदा हालात के अनुसार तय किया जाएगा।

गोयल ने उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई के सदस्यों को संबोधित करते हुए यह बात कही। भारत अमेरिकी बाजारों में अपने उत्पादों के लिए प्रतिस्पर्धियों की तुलना में कम शुल्क चाहता है। मंत्री ने बदली हुई परिस्थितियों का विस्तार से जिक्र नहीं किया। हालांकि, अमेरिका में बदलते शुल्क परिदृश्य के कारण द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर आगे बातचीत हो रही है। गोयल ने



इस महीने की शुरुआत में जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमीसन ग्रीर से मुलाकात की थी। दोनों ने व्यापार समझौते से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मंत्री ने बताया कि कनाडा के साथ व्यापार समझौते की बातचीत तेज गति से आगे बढ़ रही है। दक्षिण अफ्रीका के SACU समूह के साथ समझौते की बातचीत जल्द शुरू होगी। गोयल ने बताया कि इजरायल, चिली, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) और रूस के नेतृत्व वाले यूरेशियन इकोनॉमिक

यूनियन (ईईयू) सहित कई क्षेत्रों के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि कई देश भारत के साथ व्यापार समझौते करने के इच्छुक हैं। मेक्सिको के साथ वार्ता अगले सप्ताह शुरू की जाएगी। यूके और कनाडा के व्यापार मंत्री भी अगले सप्ताह भारत का दौरा करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कांस्रिप नेता राहुल गांधी के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के बाद दिए गए बयानों की कड़ी आलोचना की। गोयल ने कहा कि यह अप्रतिजनक व्यवहार था।

भारत-कनाडा के बीच सबसे बड़ा व्यापार अभियान

एजेंसी। नई दिल्ली

कनाडा अगले सप्ताह भारत में अपना सबसे बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है। 30 साल से अधिक समय में यह उसका सबसे बड़ा व्यापारिक अभियान होगा। इसका उद्देश्य वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार करना और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है।

कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनविंदर सिद्धू इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह प्रतिनिधिमंडल 12 से 17 अक्टूबर तक मुंबई और बेंगलुरु का दौरा करेगा। एक आधिकारिक

टनल हादसे के दौरान मैंने खुद इसकी अहमियत देखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति की गंभीरता को जल्द समझ लिया और निर्देश दिया कि बिना किसी देरी के जरूरी हर संसाधन उपलब्ध कराया जाए। हमने कामयाबी पाने के लिए पूरी लगन के साथ काम किया। हमने इस बचाव अभियान को एक युद्ध की तरह लिया है।

तकनीकी सूचना को सबसे पहले ऐसी भाषा में बदलना जरूरी है, जिसे आसानी से समझा जा सके। जमीन पर काम करने वाले व्यक्ति को किसी वैज्ञानिक शोध-पत्र की जरूरत नहीं होती। उसे पांच सवालों के जवाब चाहिए होते हैं : क्या होने की संभावना है? कहाँ? कब? कैसे खतरा है? अब क्या करना चाहिए? तकनीकी जानकारी को कारंवाई के निर्देशों में बदलने के इस काम को आपदा प्रबंधन में अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। यह काम सटीकता और तेजी से होना चाहिए। तेजी से बदलते हालात वाली आपातस्थिति में जानकारी की उपयोगिता समय के साथ खत्म हो जाती है। चेतावनी कितनी जल्दी मिलती है, यह प्रतिक्रियात्मक उपाय करने के लिए उपलब्ध समय को निर्धारित करता है। हर ऐसी देरी, जिसे टाला जा सकता था, इस समय को बर्बाद कर देती है। जानकारी पहुंचाने के लिए तकनीक कई प्रकार के माध्यम मुहैया कराती है, जैसे सेल ब्रॉडकास्ट, एसएमएस, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, टेलीविजन, रेडियो, सोशल मीडिया, सायरन, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन और सरकारी एंज पुलिस नेटवर्क। लेकिन संदेश जारी करना और उसे सही ढंग से पहुंचाना एक ही बात नहीं है। सरकार को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने के लिए हर उपलब्ध तरीके का इस्तेमाल करना चाहिए और बैकअप के तौर पर एक से ज्यादा तरीके अपनाने चाहिए। हर किसी को चेतावनी नहीं मिल पाएगी। हो सकता है कि किसी का फ़ोन बंद हो, नेटवर्क काम न कर रहा हो या लोग सो रहे हों।



में बदलना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। खतरे की पहचान होने और उसके जवाब में कारंवाई करने के बीच कई चरण होते हैं : जानकारी का सही अर्थ निकालना, उसे आगे संप्रेषित करना, फ़ैसला लेना, आदेश देना, इंतजाम करना और क्रियान्वयन करना। तथापि, हर चरण में विफलता की संभावना रहती है। आपदा प्रबंधन में यह बात और भी साफ़ तौर पर दिखाई देती है। मैंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में छह साल बिताए हैं। चेतावनी मिलने के बाद कारंवाई के लिए समय बहुत कम होता है। हो सकता है कि सैटेलाइट किसी असामान्य चीज का पता लगाए, रडार बहुत ज्यादा बारिश होने का संकेत दे, नदी का जलमापक पानी का खतरनाक स्तर दिखाए या कोई वैज्ञानिक एजेंसी सही चेतावनी जारी करे। फिर भी, इनमें से कोई भी चीज अकेले किसी की जान नहीं बचा सकती। नवंबर, 2023 में सिलक्यारा

समसामयिक

आंदोलन टालने को बने स्थायी संवाद तंत्र

भारत में विद्यार्थी, किसान, कर्मचारी, विभिन्न

संगठन और राजनीतिक दल समय-समय पर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करते रहते हैं। ये आंदोलन लोकतंत्र की अभिव्यक्ति हैं, किंतु जब लंबे समय तक चलते हैं तो सरकारी कामकाज बाधित होता है, सड़कें अवरोद्ध हो जाती हैं और आम नागरिकों का दैनिक जीवन प्रभावित होता है। कई बार छोटी-सी असहमति भी हिंसक रूप ले लेती है, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है। इस स्थिति से निपटने के लिए एक स्थायी तंत्र की आवश्यकता है, जो आंदोलन शुरू होने से पहले ही संवाद स्थापित करे और समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करे। निःसंदेह, इसके लिए एक अलग समन्वय मंत्रालय बनाया जाना चाहिए। इस मंत्रालय का नेतृत्व कोई अवकाश प्राप्त न्यायाधीश व सरकार का प्रतिनिधि करे, जो पूर्णकालिक रूप से इसी कार्य के लिए समर्पित हो। मंत्रालय में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी नियुक्त किया जाए, जो दैनिक समन्वय का दायित्व संभाले। सबसे



महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इस मंत्रालय में विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए। आंदोलन लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं, क्योंकि वे जनता की आवाज को सत्ता तक पहुंचाने का माध्यम बनते हैं।

यह विभाग स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए, ताकि उस पर किसी राजनीतिक दल का प्रभाव न पड़े। इसमें अनुभवी मध्यस्थों, समाजशास्त्रियों, कानून विशेषज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को शामिल किया

देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने किया पितरों को नग्न

सिद्धवट तीर्थ पर हुआ अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन सामूहिक तर्पण, श्रद्धांजलि

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। सर्वपितृमोक्ष अमावस्या के पावन अवसर पर शनिवार को अर्वातिका नगरी उज्जैन के प्रसिद्ध सिद्धवट तीर्थ पर एक अनूठा अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन सामूहिक तर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आध्यात्मिक आयोजन में अमेरिका, कनाडा, दुबई, सिंगापुर और यूरोप सहित देश-विदेश के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने वचुंअल माध्यम से जुड़कर अपने पूर्वजों के साथ-साथ उन अज्ञात और अनाथ दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की, जिनका तर्पण करने वाला इस दुनिया में कोई नहीं है।

यह गरिमामयी अनुष्ठान आध्यात्मिक चित्तक कृष्णकांत मिश्रा कृष्णा गुरु के सान्निध्य और प्रेरणा से पिछले 12 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष सिद्धवट पर लालु गुरु ने ऑनलाइन तकनीक के जरिए श्रद्धालुओं को लाइव जोड़कर पूरी वैदिक विधि से तर्पण विधान संपन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान देश-विदेश में बैठे लोगों ने पवित्र सिद्धवट मंदिर और मोक्षदायिनी शिप्रा नदी के ऑनलाइन दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

आयोजन में रही देश के प्रमुख तीर्थस्थलों की रही सहभागिता

आयोजन की विशेषता यह रही कि इसमें भारत



नाजिया खॉन ने किया पितरों के लिए तर्पण

सर्वपितृ अमावस्या पर सुप्रीम कोर्ट की वकील और भाजपा नेता नाजिया खान ने रामघाट पर अपने पितरों के लिए तर्पण किया है। उन्होंने शिप्रा नदी के किनारे करीब एक घंटे तक पूजन-अर्चन किया। नाजिया सुबह करीब 11 बजे उज्जैन पहुंची थीं। इससे पहले वह इंदौर और धार भी गई थीं। नाजिया ने बताया कि वे अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती थीं। उन्होंने अपने परिवार में ईद-उल-अजहा पर दी गई पशुओं की कुबानी का जिक्र करते हुए उनके मोक्ष के लिए भी पूजा कराई। उन्होंने कहा, आज मुझे लग रहा है कि थोड़े से मेरे पाप तो धुले हैं। नाजिया खान ने बताया कि वे अपने पूर्वजों के लिए श्राद्ध कर रही हैं। उन्होंने पंडित जी से कहा कि उनके खानदान में बकरीद यानी ईद-उल-अजहा के नाम पर कई मासूम जानवरों की कुबानी दी गई थी। वे उन जानवरों की मोक्ष प्राप्ति के लिए भी पूजा करना चाहती थीं। उनके मुताबिक, पंडित जी ने इसके लिए अलग से पूजा कराई। नाजिया ने कहा कि तर्पण करने की बात सामने आने के बाद उन्हें पाकिस्तान, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और जम्मू-कश्मीर से धमकी भरे कॉल आए। उन्होंने कहा कि धमकियों के बावजूद वे डरने वाली नहीं हैं।

प्रमुख तीर्थों के प्रतिनिधि भी ऑनलाइन जुड़े। हरिद्वार से पंडित राजीव शर्मा, ऋषिकेश से पंडित दिनेश जी और पुष्कर तीर्थ से योगेश पराशर जी ने वचुंअल माध्यम से सहभागिता कर इस अनुष्ठान को और अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान किया। तकनीक के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर बैठे श्रद्धालुओं ने एक साथ जुड़कर सनातन संस्कृति की इस महान परंपरा का निर्वहन किया।

श्रद्धा को सेवा से जोड़ें का संदेश

आयोजक कृष्णा गुरु ने अपने संबोधन में कहा कि अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना हमारी प्राचीन परंपरा का अहम हिस्सा है, लेकिन हमें उन अनाथ और असमय दिवंगत आत्माओं को भी नहीं भूलना चाहिए जिनका कोई सहारा नहीं होता। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे अपनी धार्मिक आस्था को जनसेवा के कार्यों के साथ जोड़ें। उन्होंने वृद्धाश्रमों, कुष्ठ आश्रमों और जरूरतमंद परिवारों को भोजन कराने जैसे सेवा कार्यों को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का विशेष संदेश दिया।सर्वपितृ अमावस्या पर हुए इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि भौगोलिक दूरियां आस्था के मार्ग में कभी बाधा नहीं बन सकतीं। इस पहल के जरिए उज्जैन के ऐतिहासिक सिद्धवट तीर्थ को वैश्विक स्तर पर जोड़ा गया।

राधा कृष्ण रास नृत्य एवं पंजाबी नृत्य ने बांधा समां अग्रसेन जयंती महोत्सव में हुए कार्यक्रम



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। अग्रवाल समाज द्वारा

अग्रवाल समाज धर्मशाला नयापुरा पर अग्र कुल प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर अग्रवाल शटलर्स एवं अग्रसेन महिला मंडल द्वारा विभिन्न संस्कृति कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी तारतम्य में अग्रवाल शटलर्स द्वारा शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें युवा वर्ग, महिला, पुरुष, सभी ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। अग्रसेन महिला मंडल द्वारा अग्रवाल धर्मशाला पर मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए बच्चों एवं महिलाओं के लिए जैसे फैसी ड्रेस प्रतियोगिता, पंजाबी नृत्य, राधा कृष्ण रास नृत्य

ने समां बांध दिया। इसके साथ ही कपल डॉस, मारवाड़ी सेठानी

बनकर आना, युगल डॉस जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रतिभागी उत्साह से दर्ज करा रहें भागीदारी

सचिव विजय कैलाशचंद्र गोयल ने बताया कि महोत्सव के दौरान आयोजित हो रही प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागी उत्साह के साथ अपनी भागीदारी दर्ज करा रहे हैं। सम्पूर्ण समाज द्वारा बड़े ही गरिमामय वातावरण में विभिन्न संस्कृति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

समाज अध्यक्ष सोहन लाल अग्रवाल ने इसी प्रकार सौहार्दपूर्ण वातावरण में उपस्थित होकर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अनुरोध किया हमारी सामाजिक एकता का संदेश सभी समाज जनों ने दिया।

गांवों में पात्रों को नहीं मिल रहा है योजनाओं का लाभ : जोशी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

बाग। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत आयोजित जिला स्तरीय शिविर में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने मौडिया से चर्चा के दौरान सरकार पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने शिविर को सरकार और जनता के बीच संवाद के नाम पर महज औपचारिकता बताते हुए आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर अपेक्षित लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुंच रहा है।

पीने का पानी, बिजली और पेशन की समस्याएं उठाईं

जोशी ने कहा कि शिविर में धार कलेक्टर, इंदौर संभाग के कमिश्नर, शासकीय अधिकारी,

भाजपा नेता और हितग्राही मौजूद थे। इसके बावजूद ग्रामीणों ने पेयजल, बिजली, पेशन और अतिक्रमण जैसी समस्याएं सामने रखीं। उन्होंने आरोप लगाया कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद अनेक गांवों में पानी की टंकियां तो बनी हैं, लेकिन पानी उपलब्ध नहीं है। कहीं पाइपलाइन होने के बावजूद नलों में टोटियां नहीं हैं, तो कहीं नियमित जलापूर्ति की समस्या बनी हुई है। स्वतंत्र जोशी ने कहा कि सरकार एक ओर अपनी योजनाओं की उपलब्धियां गिना रही है, वहीं दूसरी ओर शिविर में हितग्राही उन्हीं योजनाओं से जुड़ी समस्याओं की शिकायत करते दिखाई दिव। उन्होंने आरोप लगाया कि शिविर में लोगों की समस्याएं सामने आने के बावजूद जमीनी हकीकत सरकारी दावों से अलग नजर आई।

10 पौधे लगाने का दिया आदेश न्यायालय की अनूठी पहल, पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी सौंपी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तहसील न्यायालय द्वारा एक अनूठी पहल की गई। रास्ते के विवाद से जुड़े एक प्रकरण में आवेदक को साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर देते हुए न्यायालय ने साक्ष्य पेश करने से पहले तहसील परिसर में 10 पौधे लगाने और उन्हें प्रतिदिन पानी देने का आदेश दिया।

इसी के पालन में तहसील परिसर में पौधारोपण किया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार, यह प्रकरण ग्राम चौहानखेड़ी, तहसील एवं जिला इंदौर के मोहन विरुद्ध विनोद वेद से संबंधित रास्ते के विवाद का है। प्रकरण में आवेदक के साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर समाप्त हो गया था। इसके बाद न्यायालय ने उसे साक्षी प्रस्तुत



करने का अवसर प्रदान किया, साथ ही साक्ष्य प्रस्तुत करने से पूर्व तहसील परिसर में 10 पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आदेश दिया। यह आदेश नायब तहसीलदार पूजा नागवंशी, अधिवक्ता रितेश तिवारी, जितेंद्र सिंह ठाकुर, मोहनलाल गौड़, राजेश गौड़, राजेश वैद्य, विनोद गौड़ एवं जितेंद्र गौड़ ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। न्यायालय की इस पहल से न्यायिक प्रक्रिया के साथ पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी सामने आया।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश

आदेश के पालन में तहसील परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान तहसीलदार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

थांदला। पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थांदला में सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को साकार करते हुए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ह्रस्वेा मेरा योगदानः कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के तहत जरूरतमंद छात्राओं को स्वेटर, कापी, पेन एवं अन्य आवश्यक स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहयोग देना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भास्कर गाचले उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि स्वेटर



एवं शैक्षणिक सामग्री प्राप्त कर छात्राओं को पढ़ाई के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हुए है। यह पहल इस संदेश को रेखांकित करती है कि समाज के प्रत्येक जरूरतमंद विद्यार्थी तक सहयोग पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी है।

छात्राओं को मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा

कार्यक्रम में बताया गया कि

गज पर सवार होकर आ रहीं माता रानी, नवदुर्गा महोत्सव का पर्व आज से

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



भक्ति की शक्ति का पर्व आज से

माता टेकरी पर लाखों की संख्या में पहुंचेंगे भक्त

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। भक्ति की शक्ति का पर्व नवरात्रि रविवार से प्रारंभ होने जा रहा है। मां शारदीय नवरात्रि का नौ दिवसीय पवित्र पर्व 11 अक्टूबर को घटस्थापना के साथ ही शुरू हो जाएगा। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। विश्वभर में प्रसिद्ध माता टेकरी पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचेंगे। जिलेभर में मां भगवती की घट स्थापना शुभ मुहूर्त में बड़ी धूमधाम से की जाएगी। शहर में सार्वजनिक पंडाल वाले अधिकांश आयोजकों ने माँ की आकर्षक प्रतिमाएं विराजित करने के लिए पूर्ण तैयारी कर ली है।

नवरात्रि का पर्व श्रद्धालु मां की भक्ति में रमकर मनाएंगे। शहर में नवरात्रि पर्व के दौरान विभिन्न प्रकार के धार्मिक आयोजन भी होंगे। नवरात्रि प्रारंभ होते ही माता चामुंडा, मां तुलजा भवानी के दरबार में भक्तों का तांता लगना शुरू हो जाएगा। भक्तिमय नौ दिनों में माता टेकरी पर दूर-दूर से लाखों भक्त माता के दर्शन करने के लिए



आते हैं। कयास लगाए जा रहे है कि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार माता टेकरी पर श्रद्धालु भक्तों की संख्या काफी अधिक रहेगी। जिसको देखते हुए प्रशासन ने माता टेकरी पर पूरी तरह से चाक चौबंद व्यवस्था की है।

माता टेकरी पर भक्तों की सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए है, वहीं नगर निगम कर्मचारियों द्वारा माता टेकरी के चारों ओर भक्तों की सुविधा के लिए साफ सफाई भी की गई।

चामुंडा सेवा समिति के सेवा पंडाल का शुभारंभ आज

सर्वोच्च शक्ति मां तुलजा भवानी मां चामुंडा की पूजा-अर्चना कन्या पूजन महायज्ञ, घट स्थापना के साथ नवरात्रि में लाखों श्रद्धालुओं के लिए 24 घंटे नि:शुल्क रपट मार्ग स्थित सत्संग हाल में चलने वाले मां चामुंडा सेवा समिति के सेवा पंडाल का रविवार को शुभारंभ होगा। समिति संयोजक रामेश्वर जलोदिया ने बताया कि विगत 42 वर्षों से समिति द्वारा मां चामुंडा टेकरी पर मां

समुद्धि और सुख-शांति का प्रतीक है। शारदेय नवरात्रि पर बड़ी संख्या में भक्त माता की आराधना करेंगे। साथ ही नगर में समस्त माता मंदिरों में भी माता की घट स्थापना की जाएगी। नगर के विभिन्न स्थानों पर बनाएं जा रहे पंडालों में भी माता की प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। शारदेय नवरात्रि को लेकर भक्तों में उत्साह दिखाई देने लगा हैं। जगह-जगह आकर्षक पंडालों को सजाया जा रहा हैं। इधर माता की भक्ति के लिए गर्बों की भी प्रैक्टिस जा रही हैं। नगर में अलग-अलग

समुद्धि और सुख-शांति का प्रतीक है।

शारदेय नवरात्रि पर बड़ी संख्या में भक्त माता की आराधना करेंगे। साथ ही नगर में समस्त माता मंदिरों में भी माता की घट स्थापना की जाएगी। नगर के विभिन्न स्थानों पर बनाएं जा रहे पंडालों में भी माता की प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। शारदेय नवरात्रि को लेकर भक्तों में उत्साह दिखाई देने लगा हैं। जगह-जगह आकर्षक पंडालों को सजाया जा रहा हैं। इधर माता की भक्ति के लिए गर्बों की भी प्रैक्टिस जा रही हैं। नगर में अलग-अलग

समाजजनों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर गर्बों का आयोजन किया जाएगा। इसमें छोटी-छोटी बालिकाओं से लेकर युवतियां

पं. राजेंद्र प्रकाश व्यास (शाजापुर वाले) ने बताया कि मां दुर्गा का आगमन गज (हाथी) पर होगा। इस बार नवरात्र 10 दिन (11 से 20 अक्टूबर से) तक रहेंगे।

पद तो आते-जाते रहते हैं, कार्यकर्ता हमेशा ही रहता है : हेमंत खंडेलवाल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देपालपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि पद आते-जाते रहते हैं, लेकिन कार्यकर्ता हमेशा संगठन की ताकत बना रहता है। संगठन पर दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं के देवास पहुंचने की संभावना को देखते हुए नगर निगम ने शहर की स्वच्छता एवं सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में पहल की है। नगर निगम स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष एवं पार्षद धर्मेन्द्र सिंह बैस ने सफाई कर्मचारियों को शहर के समस्त सार्वजनिक शौचालयों में नियमित रूप से पर्याप्त साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि माता के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं और शहरवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैस ने कहा कि नवरात्रि के दौरान देवास में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त रखना नगर निगम की प्राथमिकता है।

खंडेलवाल ने जिले के पुराने भाजपा नेताओं धन्नालाल पटेल, निर्भयसिंह पटेल, प्रकाश सेनकर, रामसिंह चौहान, भेरूलाल पाटीदार और कांतिलाल जैन सहित अनेक नेताओं के योगदान



को याद किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के पीछे वर्षों से कार्यकर्ताओं और नेताओं का परिश्रम, त्याग और समर्पण रहा है। उनके संघर्ष से प्रेरणा लेकर नई पीढ़ी को संगठन और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय रहना चाहिए।

भाजपा ने दी इतिहास और समाज को नई दिशा

उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश के इतिहास और समाज को नई दिशा दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत

डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का विकास के कार्य हो रहे हैं। बैटक में कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, आजग मोचां के प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत उपस्थित रहे।भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने स्वागत भाषण दिया। संचालन जिला महामंत्री रामस्वरूप गेहलोत ने आभार जिला महामंत्री अंतर दयाल ने माना।

सिरकटे कत्ल का 12 घंटे में पदार्फाश, दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश से किया गिरफ्तार

अवैध संबंधों के शक में दिया गया था खौफनाक वारदात को अंजाम

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। कैट थाना क्षेत्र के सिंगवासा तालाब के पास हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने मात्र 12 घंटे के भीतर ही पदार्फाश कर दिया है। गला रेतकर और सिर धड़ से अलग कर की गई इस खौफनाक वारदात के दोनों आरोपियों को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले से धर दबोचा है। इस पूरे मामले में एक आरोपी हिस्ट्रीशीटर निकला है, जिसने अवैध संबंधों के शक में इस जघन्य हत्याकांड को अंजाम दिया था।

कैट थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिंगवासा तालाब के पास शुक्रवार शाम एक 33 वर्षीय युवक का धड़ से अलग क्षत-विशत शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। मृतक की पहचान नाखाछेड़ी स्थित वेयरहाउस पर हमाली का काम करने वाले नब्बू उर्फ नवीन गोस्वामी (निवासी हनुमंता मंदिर के पास, पठार मोहल्ला, गुना) के रूप में हुई।

नवनीत की पत्नी ने खेजरा रोड पर रहने वाली एक महिला और उसके संबंधों को लेकर गंभीर



आरोप लगाए थे, जबकि मृतक के भाई ने भी कुछ संदिग्धों के नाम पुलिस को बताए थे।

उत्तर प्रदेश के ललितपुर से गिरफ्तार हुए आरोपी

पुलिस ने इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी हेमू उर्फ हेमंत (पुत्र राजू सोनी, निवासी बूढ़े बालाजी, गुना) और संजू साहू उर्फ संजू सैमसन (पुत्र परमाल साहू, निवासी बूढ़े बालाजी हरिपुर रोड, गुना) को उत्तर प्रदेश के ललितपुर से गिरफ्तार कर लिया। इनमें से एक आरोपी हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का समापन

कुंभराज। नगर के शिव टेकरी के पास स्थित नामदेव धर्मशाला में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन कथा व्यास आचार्य पंडित श्री मुकेश जी पारीक (भानपुरा वाले, बीनागंज) के सुमुख से भगवान श्री कृष्ण और सुदामा की अटूट मित्रता का भावपूर्ण और सजीव वर्णन किया गया।

कथा के दौरान पंडाल में मौजूद सभी श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए।कथा व्यास पंडित मुकेश पारीक ने प्रसंग सुनाते हुए बताया कि सच्ची मित्रता वही है जो श्री कृष्ण और सुदामा जैसी हो। भगवान कृष्ण से सुदामा की मित्रता पूरी तरह निस्वार्थ थी, जिसमें



केवल सच्चा भाव और अटूट प्रेम था। सुदामा जी ने अपने जीवन में कभी भी भगवान श्री कृष्ण से धन-दौलत की याचना नहीं की। वे अत्यंत गरीब जरूर थे, लेकिन उन्होंने धन मांगने के बजाय केवल श्री कृष्ण की सच्ची भक्ति को ही अपने जीवन का आधार बनाया। पंडित जी ने आगे कहा कि इस कलिकाल में भगवान की कथा

का श्रवण करना और प्रभु का भजन करना ही एकमात्र ऐसा मार्ग है, जो मानव को इस भवसागर से पार लगा सकता है। श्री सुखदेव जी महाराज के मुखारविंद से राजा परीक्षित ने श्रवण की थी और अपने जीवन को मोक्ष प्राप्त कराया था। कथा के दौरान नगर और आसपास के दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा पंडाल में पहुंचकर कथा का रसपान किया और अपने मानव जीवन को कृतार्थ किया। इस धार्मिक आयोजन के कथा आयोजक डॉ. रामस्वरूप मीना एवं उनके सुपुत्र रबेश मीना रहे, जिन्होंने अतिथियों का भावभीना स्वागत किया।

SIR के विरोध में प्रदर्शन



गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजगढ़। मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, वोट चोरी की आशंका और एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता की माँग को लेकर आम आदमी पार्टी, जिला राजगढ़ ने शनिवार को प्रदर्शन किया।

जिला अध्यक्ष दनेश चंद्रवंशी के नेतृत्व, प्रदेश संयुक्त सचिव विजय सिंह दांगी और प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक लिंग बाबू अली खान की मौजूदगी में हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान

कार्यकर्ताओं के हाथों में तख्तियों थीं जिसमें लिखा था वोट हमारा, हक हमारा, वोट चोरी नहीं चलेगी जैसे नारे गूँजते रहे।

ज्ञापन में **रखी प्रमुख माँगें**: - मतदाता सूची में संभावित अनियमितताओं की निष्पक्ष जाँच हो। - मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट और पात्र मतदाताओं की प्रविष्टियों की नियमानुसार जाँच हो और परिणाम सार्वजनिक किए जाएँ। - रक़ममें हर पात्र नागरिक को पूर्व सूचना, सुनवाई और दस्तावेज़ देने का उचित अवसर मिले।

जूडो में गुना के खिलाड़ियों ने 14 पदक जीते

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जबलपुर में 5 से 8 अक्टूबर तक आयोजित एस.जी.एफ.आई. राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में गुना के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए कुल 14 पदक अपने नाम किए हैं।

जिला खेल अधिकारी ओ.पी. शर्मा और जूडो सचिव सुनील शर्मा ने जानकारी दी कि जिले के इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण, 5 रजत और 7 कांस्य

पदक जीतकर पूरे गुना जिले का गौरव बढ़ाया है। उत्कृष्ट विद्यालय स्थित नोडल खेल केंद्र में कठिन प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले दोनों स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी अब आगामी जनवरी माह में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों की इस शानदार सफलता में टीम के कोच गौरव प्रताप सिंह चौहान और मैनेजर कृति कुशवाहा का अहम मार्गदर्शन रहा। प्रतियोगिता

में गुना के खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्ग और श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्वर्ण पदक विजेताओं में निशा अहिरवार और भरत रजक शामिल रहे। इसके अलावा रजत पदक विवेक सोधिया, चांदनी कोरी, चंद्राश सोनी, देविका सेन और मोहम्मद साद ने जीते, जबकि कांस्य पदक देव प्रजापति, हेमा कुशवाह, कमलेश भील, खुशबू कुशवाह, ऐश्वी शर्मा, मोहित मीणा और पूर्णिमा शर्मा के खाते में आए।



रिछेरा में गोली लगने से घायल हुआ रवि जाट।

जुटाए और संदिग्धों की तलाश में विशेष टीमें गठित कीं। साइबर सेल और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर ही इस ब्लाइंड मर्डर का खुलासा कर दिया।

रिछेरा में बदमाशों ने युवक को गोली मारी

जिले के कैट थाना क्षेत्र के रिछेरा गांव में शुक्रवार शाम करीब 7 बजे बाइक सवार बदमाशों ने घर लौट रहे एक युवक पर पिस्तौल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस जानलेवा हमले में

गोली युवक के कंधे में जा लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद से गांव में अफरा-तफरी का माहौल है, और आरोपी मौके से फरार हो गए।

रिछेरा गांव निवासी रवि जाट चोरोल गांव से अपने घर वापस लौट रहा था। जैसे ही वह पंचायत भवन के पास पहुंचा, छह बाइक सवार बदमाशों ने उसे घेर लिया और फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से घायल रवि मौके पर ही गिर पड़ा। परिजनों ने तुरंत डायल-112 की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। मामले में नए अपडेट के अनुसार, पुलिस जांच में सामने आया है कि सभी आरोपी गुना जिले के ही ग्राम रिछेरा, बीला बावड़ी और टोरिया के रहने वाले हैं। इनमें से तीन आरोपियों की पहचान हो चुकी है, जिनमें से एक बदमाश हिस्ट्री शीटर बताया जा रहा है। परिजनों का कहना है कि इन आरोपियों ने कुछसमय पहले ही रवि को जान से मारने की धमकी भी दी थी।

हाईवे पर दुर्घटना, चाचा-भतीजे की मौत

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले के बमौरी क्षेत्र के रहने वाले चाचा-भतीजे की नेशनल हाइवे पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। यह दुर्घटना म्याना क्षेत्र के भदौरा के पास नेशनल हाइवे पर उस समय सामने आई जब दोनों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर म्याना से अपने गांव लौट रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात करीब 11 बजे यह हादसा हुआ। बाइक पर सवार राम सिंह बारेला

प्रतिबंधित अवधि में घूम रहे आदतन अपराधी को दबोचा गुना। अपराध नियंत्रण और असामाजिक तत्वों पर सख्त शिकंजा कसने के लिए पुलिस लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में म्याना थाना पुलिस ने राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक जिलाबंदर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है, जो प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना कर प्रतिबंधित अवधि में चुपचाप जिले की सीमा में घूम रहा था। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आदतन अपराधी राजेन्द्र रघुवंशी अपने अपराधिक कृत्यों को अंजाम देने के उद्देश्य से म्याना थाना क्षेत्र में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताया गए स्थान पर घेराबंदी की।



जिला कलेक्टर मालवीय ने की ग्राम पंचायतों की समीक्षा

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा आज ग्राम पंचायत मोहरी राय एवं सिकंदरा में स्वामित्व योजना, राशन वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं नल-जल योजना के क्रियाचयन की समीक्षा की गई। समीक्षा के

दौरान स्वामित्व योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी एवं रजिस्ट्री की प्रगति, पात्र हितग्राहियों को राशन वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण तथा नल-जल योजना के अंमल में शामिलों को पेहजल उपलब्ध कराने की स्थिति पर चर्चा की गई। भ्रमण के दौरान एसडीएम श्री इसरार खान साथ थे।



एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर महिला पुलिसकर्मियों की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। शक्ति दल मोबाइल वाहनों से भ्रमण कर सदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेगा।



सुबह 5 बजे से शुरू हो जाएगी पेट्रोलिंग

शक्ति दल द्वारा प्रतिदिन प्रातः 05:00 से 10:00 बजे तक तथा सायंकाल 06:00 से रात्रि 10:00 बजे तक विशेष पेट्रोलिंग की जाएगी। आवश्यकता के अनुसार अन्य समय में भी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। पेट्रोलिंग के लिए वाहन क्रमांक एमपी03 ए 83555, एमपी03 ए

0268, एमपी 03 ए 9352 एवं एमपी 03 ए 8358 में महिला पुलिसकर्मियों को निर्धारित ड्यूटी समय का पालन करने, संचार साधन साथ रखने तथा पेट्रोलिंग वाहनों को पर्याप्त ईंधन के साथ तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। महिलाओं एवं बालिकाओं से सहायता संबंधी सूचना मिलने

पर शक्ति दल तत्काल आवश्यक पुलिस सहायता उपलब्ध कराएगा। किसी भी सदिग्ध गतिविधि अथवा अप्रिय स्थिति की जानकारी मिलने पर संबंधित थाना प्रभारी, पुलिस कंट्रोल रूम एवं वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

तत्काल पुलिस को दें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। नवरात्रि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, निर्भीक आवामान एवं शक्तिपूर्ण आयोजनों को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस तत्पर है।

मानसिक तनाव, अवसाद से बचने के लिए किया जागरूक

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जिला अस्पताल गुना के मनकक्ष विभाग द्वारा स्वास्थ्य समिति, रेडक्रॉस समिति और मन समिति के सहयोग से एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पांच चरणों वाले कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को मानसिक तनाव, अवसाद और अन्य मानसिक समस्याओं के प्रति जागरूक करना तथा समय पर उचित परामर्श एवं उपचार के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में रेडक्रॉस समिति के अध्यक्ष डॉ. एल.के. शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के पहले चरण के तहत आयोजित जागरूकता सेमिनार में मानसिक स्वास्थ्य नोडल अधिकारी एवं मनोचिकित्सक डॉ. आर.एस. भाटी ने मानसिक समस्याओं के लक्षणों और उनके उपचार की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अपने चिकित्सकीय अनुभवों को साझा करते हुए लोगों को जागरूक किया, जिसके बाद वहां मौजूद सभी लोगों ने 'नशा मुक्त भारत' की शपथ ली। दूसरे चरण में आम



जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए स्लोगन के साथ एक रैली निकाली गई और पंपलेट वितरित किए गए। तीसरे चरण में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मानसिक स्वास्थ्य पोस्टरों का प्रदर्शन, मूल्यांकन और पुरस्कार वितरण हुआ, जिसमें कुल 225 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

चौथे चरण के तहत गर्भवती एवं प्रसवोत्तर महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य की विशेष जांच व उनकी स्क्रीनिंग की गई। वहीं, पांचवें और अंतिम चरण में लगभग 90 मरीजों की मानसिक स्क्रीनिंग कर उन्हें आवश्यक परामर्श, उपचार और दवाइयां उपलब्ध कराई गईं।

नो पार्किंग विवाद, जिसकी गाड़ी टूटी उस पर ही FIR



गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शहर में टोइंग वाहन के कर्मचारियों द्वारा कार्रवाई के दौरान एक कार को बुरी तरह क्षतिग्रस्त करने और उल्टा पीड़ित पर ही एफआईआर दर्ज किए जाने के विरोध में वाहन मालिक ने एसपी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।